बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

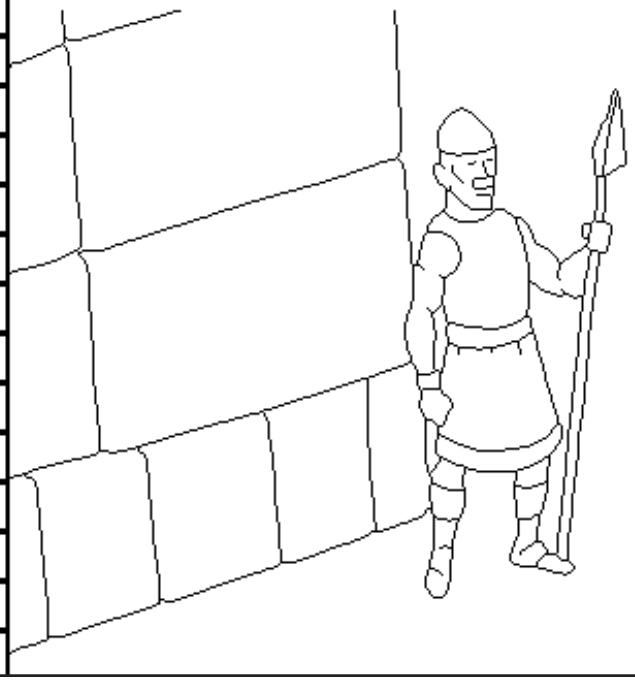

नहेम्याह की महान दीवार

लेखक : Edward Hughes
व्याख्याकार : Jonathan Hay
अनुवाद : Suresh Kumar Masih
रूपान्तरकार : Mary-Anne S.

60 कहानियों में से 35 (पहला)

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हिन्दी Hindi

फारस, एक शक्तिशाली राष्ट्र, दुनिया पर राज किया; और राजा अर्तक्षत्र ने फारस देश पर राज किया। यही उसे दुनिया का ताकतवर शासक बना दिया। राजा के महत्वपूर्ण सहायकों में से नहेम्याह नाम का एक यहूदी आदमी था। उसका काम संभव जहरीले खाने से राजा की रक्षा के लिए राजा के भोजन को पहले चखना था।

एक दिन, नहेम्याह बहुत उदास चेहरे के साथ राजा के सामने आया। राजा जानना चाहता था कि उसके साथ क्या हुआ है। "हे राजा, तुम सदा जीवित रहो" नहेम्याह ने कहा; "मै दुखी इस लिए हूँ क्योंकि मेरे पिता जहाँ दफन किये गए हैं, वहाँ शहर खंडहर और उसका फाटक जला दिया गया है।" नहेम्याह यरूशलेम के बारे में बात कर रहा था, जो कई वर्षों पहले युद्ध के दौरान नष्ट कर दिया गया था।

राजा अर्तक्षत्र ने पूछा, "तुम क्या चाहते हो?" नहेम्याह ने निवेदन किया, "मुझे यरूशलेम को जाने दो ताकि मैं उसका पुनर्निर्माण कर सकूँ" राजा अर्तक्षत्र उसपर कृपा करते हुवे सहमत हो गया। उसने उसे यात्रा के दौरान दुश्मनों से बचाने के लिए नहेम्याह को आधिकार पत्र भी दिया।

3

राजा ने उसे और भी अधिक मदद की। उसने नहेम्याह को आसाप राजा के जंगलों के रक्षक के लिए भी एक पत्र दिया। नहेम्याह को शहर की दीवारों का निर्माण करने के लिए जितनी लकड़ी की आवश्यकता थी; आसाप को उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया था।

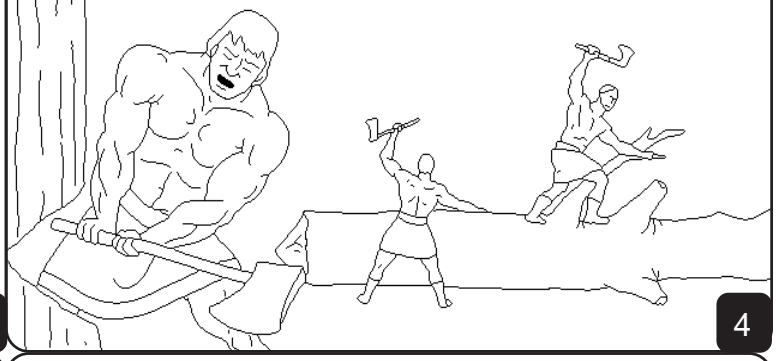

4

जब नहेम्याह यरूशलेम में पहुंचा, वह शहर के अधिकारियों को इकट्ठा किया और कहा, "हम सब यहाँ मुसीबत में हैं"। शहर खंडहर और फाटक जला दिए गए हैं। "आओ हम इसका पुनर्निर्माण शुरू करें" उसने कहा कि राजा अर्तक्षत्र ने मंजूरी दे दी है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रभु परमेश्वर हमारी ओर है।

5

नहेम्याह की आस्था और उत्साह ने लोगों को प्रेरित किया होगा। उन्होंने इस पर सहमति जताते हुए कहा "हाँ पुनःनिर्माण करते हैं"। नहेम्याह, निर्माण करने के लिए प्रत्येक परिवार को बताया कि उन्हें दीवार के किस हिस्से में काम करना है।

6

लेकिन, सभी लोग दीवार के पुनर्निर्माण के लिए सहमत नहीं हुए। सम्बल्लत नाम का एक आदमी, और उसके दो दोस्त तोबियाह और गेशेम, यहूदी नहीं थे और वे दीवार का पुनर्निर्माण या फाटकों का निर्माण करना नहीं चाहते थे।

7

जैसे जैसे काम चलता गया, वैसे ही सम्बल्लत बहुत नाराज होता गया। वह अपने दोस्तों के साथ यहूदियों का मज़ाक उड़ाया। तोबियाह ने कहा, "जब वे इस नन्हे दीवार का निर्माण ख़त्म कर लेंगे, तो एक छोटी लोमड़ी भी उसे गिराकर टुकड़े टुकड़े कर देगी।" नहेम्याह ने जवाब नहीं दिया। इसके बजाय, वह परमेश्वर से प्रार्थना किया कि वह उनके साथ न्याय करे।

8

जब उनके मजाक के अपमान का किसी पर भी प्रभाव नहीं पड़ा तब वे यरूशलेम के खिलाफ लड़ने के लिए और जितना हो सकता है उतनी परेशानी का कारण बनने के लिए एक साथ साजिश रचे।

9

फिर, नहेम्याह ने परमेश्वर की मदद के लिए प्रार्थना की। उसने एक पहरेदार को दिन और रात के लिए रखा ताकि उन्हें नई वारदात से आश्चर्य न करना पड़े।

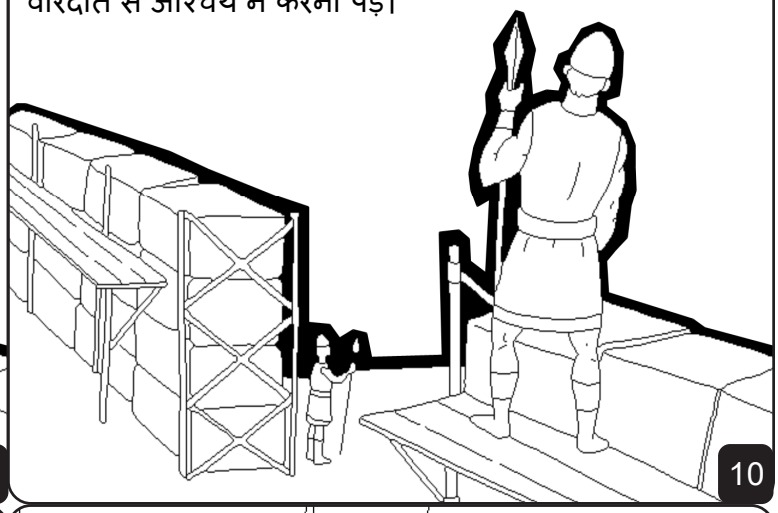

10

यहूदियों ने थकने योग्य बहुत कड़ी मेहनत की। जबकि वे डरने लगे थे कि काम करने के वक्त कुछ दुश्मन आ जायेंगे और उन्हें मार डालेंगे। फिर भी, नहेम्याह निर्माण का काम बंद नहीं किया। उसने श्रमिकों के आसपास पहरेदारों को रख दिया और उन्हें याद दिलाया कि परमेश्वर उनके पक्ष में है और वह किसी भी दुश्मन से अधिक शक्तिशाली है!

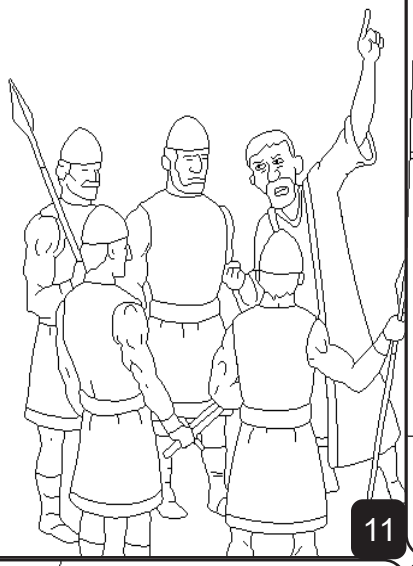

11

नहेम्याह एक अच्छा उदाहरण बनने की कोशिश कर रहा था। राजा अर्तक्षत्र ने उसे यरूशलेम का राज्यपाल बना दिया था, वह अधिकार के साथ लोगों से भोजन और पैसे मांग सकता था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया।

12

वह सिर्फ दीवार निर्माण करने वाले लोगों के साथ मिलकर कड़ी मेहनत की। वह खाना खरीदने के लिए अपने खुद के पैसे का इस्तेमाल किया।

13

अंतत, लोगों ने दीवार बनाना ख़त्म किया, और केवल मुख्य द्वार में दरवाजा ही लगाना था। जब सम्बल्लत, तोबियाह और गेशेम ने यह सुना कि अब दीवारों में कोई दरारें नहीं बचीं है; वे नहेम्याह को नुकसान पहुँचाने की योजना बनाई।

14

वे ओनो नामक स्थान पर उनसे मिलने के लिए नहेम्याह को संदेश भेजा। लेकिन नहेम्याह जानता था कि वे उसे नुकसान पहुँचाने के लिए शहर के बाहर बुलाने की चाल चल रहे हैं। उसने यह लिखवा भेजा कि काम छोड़कर वह उन लोगों के साथ यात्रा कर मिलाने नहीं जायेगा।

15

अंततः दीवार के निर्माण का काम समाप्त हो गया,

और नहेम्याह ने इसे बचाने के लिए पहरेदारों को लगा दिया।

16

उसने उन्हें यह भी नियम दिया कि पूर्ण सूर्योदय के बाद ही इस

फाटक को खोला जाये। रात के वक्त वह पूरी रीती से बंद और खोलने के लिए वर्जित हो।

17

अब वह शहर सुरक्षित था; दुनिया भर के विभिन्न भागों से अनेकों यहदी बँधुवे यरूशलेम को लौटे। नहेम्याह बहुत खुश हुआ होगा; सभी बाधाओं के बावजूद, परमेश्वर के द्वारा दिया हुआ यह कार्य समाप्त कर चुका था। वह येरुशलम में ही रूका और लोगों को हमेशा परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करने में मदद की।

18

नहेम्याह की महान दीवार

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

नहेम्याह

"जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।"
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुनः स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुनः जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं.
आमीन. जॉन 3:16

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.